भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक 753 006

कृषि सलाहकार सेवा

जून 2023 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियाँ

उपरीभूमि में शुष्क सीधी बुआई धान

- *ऊपरी भूमि में सीधी बुआई धान के लिए, सीआर धान 100 (सत्यभामा), सीआर धान 101 (अंकित), सीआर धान 102, सहभागीधान, फाल्गुनी, वंदना, खंडगिरी, उदयगिरी और अंजलि जैसी छोटी अवधि वाली किस्मों की खेती करें।*
- *सीधी बुआई वाले धान में अंतिम भूमि की तैयारी के दौरान अच्छी तरह से सड़ी गोबर खाद 8 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।*
- *ऊपरीभूमि धान में फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा 12 किग्रा प्रति एकड़ (75 किग्रा एसएसपी या 27 किग्रा डीएपी + 20 किग्रा एमओपी) को हल के पीछे से या उर्वरक-सह-बीज ड्रिल द्वारा आधारी मात्रा के रूप में प्रयोग करें।*
- *बुआई करने से पहले, बीज को ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्मूलेशन 10 ग्राम/ किग्रा बीज दर से या राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए कोई अन्य बीज उपचार रसायन जैसे थिवम 75% 3 ग्राम की दर से या कैप्टान 50% 3 ग्राम की दर से प्रति किलो बीज के साथ बीजोपचार किया जाना चाहिए।*
- *सीधी बुआई वाली धान के लिए बुआई कार्य पूरा करें। बीजों को सीड ड्रिल या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल के साथ या देशी हल के पीछे 15 x15 या 20 x 10 सेंटीमीटर की दूरी पर जुताई करें। बीज को 4-6 सेमी की गहराई पर बोएं। बीज के परीक्षण वजन के आधार पर छिटकावा विधि से 24-30 किलोग्राम प्रति एकड़ दर से तथा बीज ड्रिल द्वारा बुआई के लिए 12-16 किलो बीज/एकड़ का प्रयोग करें।*

- *हाथों से निराई के विकल्प के रूप में, खरपतवारों के निकलने के 8-10 दिनों के बाद या जब नम मिट्टी में खरपतवार 2-3 पत्ती अवस्था में हो, तो बिस्पिरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली/एकड़ दर से 16 लीटर क्षमता वाले 8 स्प्रेयर में छिड़काव करें।*

निचलीभूमि में शुष्क सीधी बुआई धान

- *मध्यम गहरे जल वाली धान के लिए वर्षाधान, दुर्गा, सीआर धान 501, सरला, गायत्री, सीआर धान 1009 सब1, गहरे पानी वाले क्षेत्रों के लिए सीआर धान 500, सीआर धान 502 (जयंती धान), सीआर धान 503 (जलमणि), सीआर धान 505 और सीआर धान 507 (प्रशांत) किस्में चुनें*
- *सीधी बुआई वाले धान में अंतिम भूमि की तैयारी के दौरान अच्छी तरह से सड़ी गोबर खाद 8 क्विंटल प्रति एकड़ दर पर प्रयोग करें।*
- *उथली निचलीभूमि धान में फास्फोरस और पोटाश की पूरी मात्रा 16 किग्रा प्रति एकड़ (35 किग्रा डीएपी या 27 किग्रा एमओपी) प्रयोग करें जबकि रेतीली मिट्टी में 35 किग्रा डीएपी + 13.5 किग्रा एमओपी आधारी मात्रा के रूप में प्रयोग करें।*
- *अर्ध गहरे और गहरे जल वाले भूमि में सीधे बोए गए चावल के क्षेत्रों में जहां टॉप ड्रेसिंग संभव नहीं है, अंतिम भूमि की तैयारी के समय नत्रजन, फास्फोरस और पोटाश 16:8:8 किग्रा/एकड़ दर पर पूरी मात्रा आधारी मात्रा (17.5 किग्रा डीएपी + 13.5 किग्रा एमओपी + 30 किग्रा यूरिया) के रूप में प्रयोग करें।*
- *बुआई से पहले, बीज को ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्मूलेशन 10 ग्राम/ किग्रा बीज दर पर या कैप्टन 50% (कैप गोल्ड 50) या थिरम 75% (थिरम 75 / थिरॉक्स) 3*

ग्राम प्रति किलो बीज दर से या राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए किसी अन्य बीज उपचार रसायन के साथ उपचार किया जाना चाहिए।

- *जीवाणुज अंगमारी या जीवाणुज पत्ता अंगमारी स्थानिक क्षेत्रों में, 10 किलो बीज को 20 लीटर पानी में 1.5 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन + 20 ग्राम कैप्टन 8-10 घंटे के लिए भिगोकर बीज उपचार करना चाहिए।*
- *सीधी बुआई वाली धान के लिए बुआई कार्य पूरा करें। बीजों को अधिमानतः सीड ड्रिल या थ्री-टाईन कल्टीवेटर-कम-सीड ड्रिल के साथ या देशी हल के पीछे 20 x 15 या 20 x 10 सेंटीमीटर की दूरी पर जुताई करें जिससे धान पावर वीडर का उपयोग करके यांत्रिक खरपतवार नियंत्रण की सुविधा हो सके। बीज को 4-6 सेमी की गहराई पर रखना चाहिए। बीज के परीक्षण वजन के आधार पर 24-30 किलोग्राम प्रति एकड़ अच्छी गुणवत्ता वाले बीजों का प्रयोग करें।*
- *हाथों से निराई के विकल्प के रूप में, खरपतवारों के निकलने के 8-10 दिनों के बाद या जब नम मिट्टी में खरपतवार 2-3 पत्ती अवस्था में हो, तो बिस्पिरिबैक सोडियम 10% एससी 120 मिली/एकड़ दर पर 16 लीटर क्षमता वाले 8 स्प्रेयर में छिड़काव करें।*

प्रतिरोपित खरीफ धान

- *अनुसंधान संस्थानों, विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्र, ब्लॉक कार्यालयों, विश्वसनीय स्त्रोतों और अन्य प्रतिष्ठित फार्मों से उथली निचलीभूमि में प्रतिरोपित चावल के लिए सीआर धान 307 (मौड़मणि), सीआर धान 303, सीआर धान 304, एमटीयू 1001, एमटीयू 1010, नवीन, सीआर धान 310, सीआर धान 312, सीआर धान 314, डीआरआर 44 जैसी किस्मों के अच्छी गुणवत्ता वाले बीज चुनें। उन्नत ललाट, सीआर धान 301 (ह्यू), सीआर धान 800 (स्वर्णा*

एमएएएस), सीआर धान 404, स्वर्णा, पूजा, स्वर्णा सब1 और बीपीटी 5204 किस्में चयन करें।

- *तटीय लवण क्षेत्र के लिए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे विश्वसनीय स्त्रोतों से लवण सहिष्णु किस्मों जैसे सीआर धान (405 लुणा सांखी), सीआर धान 403 (लुणा सुवर्णा), डीआरआर 39 और लुणीश्री किस्में चयन करें।*
- *सिंचित मध्यम और उथली निचलीभूमि में संकर की खेती करने के इच्छुक किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिष्ठित बीज कंपनियों से अजय, राजलक्ष्मी, सीआर धान 701, केआरएच-2 और पीएचबी 71 जैसे संकरों की अच्छी गुणवत्ता वाले विश्वसनीय बीज खरीदें।*
- *बाढ़ प्रवण उथली निचलीभूमि के लिए विश्वसनीय स्त्रोतों से अचानक बाढ़ सहिष्णु किस्मों स्वर्णा सब1, रणजीत सब1, बहादुर सब1, बिनाधान 11 और सांबा महसूरी सब1 किस्में चयन करें।*
- *सूखा प्रवण मध्यम भूमि के लिए विश्वसनीय स्त्रोतों से सहभागीधान, डीआरआर 42, डीआरआर 44, बीआरआरआई धान 71, स्वर्णश्रेया जैसी सूखा सहिष्णु किस्में चयन करें।*
- *सुगंधित चावल किस्मों की खेती हेतु इच्छुक किसानों को सलाह दी जाती है कि वे प्रतिष्ठित बीज कंपनियों या फार्मों या एजेंसियों से गीतांजलि, सीआर सुगंध धान 907, सीआर सुगंध धान 908 और सीआर सुगंध धान 910 किस्में चयन करें।*
- *सूखा प्रवण ऊपरी/उथली निचली भूमि के लिए विश्वसनीय स्त्रोत से सहभागीधान, डीआरआर 42, डीआरआर 44, बीआरआरआई धान 71, स्वर्ण श्रेया जैसी सूखा सहिष्णु किस्मों की खेती करें।*

- *ढैंचा के बीज की बुआई 12 किलो प्रति एकड़ की दर से करें और रोपित धान में हरी खाद के लिए उपयुक्त मिट्टी की नमी पर बुवाई करें।*
- *बीज उपचार के लिए प्रतिष्ठित एजेंसियां/दुकानों से ट्राइकोडर्मा डस्ट फॉर्म्युलेशन (10 ग्राम/किलोग्राम बीज) की व्यवस्था करें।*
- *चूंकि ओडिशा के अधिकांश भाग में पहले से ही पर्याप्त मात्रा में प्री-मानसून वर्षा हो चुकी है, खरीफ धान के लिए सूखी नर्सरी के लिए भूमि की तैयारी की जानी चाहिए।*
- *लवणीय मिट्टी और लवणीय जल वाले क्षेत्रों में, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे शुष्क नर्सरी न करें। ऐसे क्षेत्रों में उपयुक्त सिंचाई सुविधाओं के तहत कम लवणता प्रभावित भूमि में सामुदायिक नर्सरी की स्थापना की जा सकती है।*
- *एक एकड़ क्षेत्र में रोपाई के लिए लगभग 320 वर्गमीटर क्षेत्र में नर्सरी क्यारी की आवश्यकता होती है। 10 सेमी ऊँचे, 1.2-1.5 मीटर चौड़े और सुविधाजनक लंबाई के गीले नर्सरी वाले क्यारी तैयार करें। दो क्यारियों के बीच में 30-45 सें.मी. चौड़ाई वाली सिंचाई/जल निकासी नाली रखा जाना चाहिए।*
- *नर्सरी की बुवाई के लिए अधिक उपज देने वाली किस्मों के 12-16 किलोग्राम बीज/एकड़ और संकर बीज के 5-6 किलोग्राम/एकड़ प्रयोग करें। कम उपजाऊ भूमि में प्रत्येक 100 वर्गमीटर नर्सरी के लिए भूमि की तैयारी के समय गीली नर्सरी में नाइट्रोजन 0.5-1.0 किग्रा, फास्फोरस 0.5 किग्रा और पोटाश 0.5 किग्रा उर्वरक प्रयोग करें।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि वे चावल की फसल के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए एनआरआरआई विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।*